

2735

4

4. Discuss the challenges related to women in society using examples from any two readings from the syllabus. (10)

पाठ्यक्रम से किन्हीं दो पाठों के उदाहरणों का उपयोग करते हुए समाज में महिलाओं से संबंधित चुनौतियों पर चर्चा करें।

[This question paper contains 4 printed pages.]



Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 2735

G

Unique Paper Code : 6967000003

Name of the Paper : Culture and Communication

Name of the Course : VAC

Semester : II

Duration : 1 Hour

Maximum Marks : 30

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.
3. Question No. 1 is compulsory.
4. Answer any **two** questions from question nos. 2 to 4.
5. **All** questions carry equal marks.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

2. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
3. पहला प्रश्न अनिवार्य है।
4. प्रश्न संख्या 2 से 4 तक किन्हीं दो के उत्तर लिखिए।
5. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. Write short notes on **any two** of the following :

(2×5)

निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(a) Vasudhaiva Kutumbakam and G20

वसुधैव कुटुम्बकम् और जी20

(b) Vande Mataram

वन्दे मातरम्

(c) Communication between humans and nature

मानव और प्रकृति में संवाद

2. What message does Keshav Malik convey through 'A Dehumanized Environment'? (10)

“अ डीह्यूमनाइज़्ड एन्वाइरन्मेंट” के माध्यम से केशव मलिक क्या संदेश देना चाहते हैं?

3. Explain the following lines with reference to the context : (10)

“I am proud to belong to a religion which has taught the world both tolerance and universal acceptance. We believe not only in universal toleration, but we accept all religions as true.”

निम्नलिखित पक्तियों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

“मुझे गर्व है कि मैं एक ऐसे धर्म से हूँ जिसने दुनिया को सहनशीलता और सभी को स्वीकार करने का पाठ पढ़ाया है। हम सिर्फ सार्वभौमिक सहनशीलता में ही विश्वास नहीं रखते बल्कि विश्व के सभी धर्मों को सत्य के रूप में स्वीकार करते हैं।”